MA- I (Sem -I) Hindi

समय – 2:३० घंटे March – 2023 पूर्णांक - ७५

सुचना : १. सभी प्रश्न अनिवार्य है |

२. सभी प्रश्नों के लिए अंक समान है |

३) उत्तर पुस्तिका में प्रश्न क्रमांक और उपक्रमांक अवश्य लिखे |

प्रश्न -१. भाषा की परिभाषा देते हुए भाषा की संरचना और भाषिक प्रकार्य का विवरण दीजिए | १५

अथवा

भाषा विज्ञान का नामकरण का उल्लेख करते हुए ,भाषा विज्ञान के प्रकार समझाइए |

प्रश्न -२. स्वनिम की परिभाषा,स्वरूप,अवयव और स्वनिम के कार्यों का वर्णन कीजिए | १५

अथवा

स्वनिम की विशेषताओं का वर्णन दीजिए |

प्रश्न -३. प्राचीन भारतीय आर्य भाषाओं का विस्तृत विवरण दीजिए | १५

अथवा

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय दीजिए

प्रश्न -४ पदक्रम का अर्थ व रचना के आधार पर समझाइए | १५

अथवा

वाक्य के भेद उदाहरण सहित समझाइए |

प्रश्न -५ निम्नलिखित में से किन्ही तीन विषयों पर टिप्पणी लिखे ! १५

क) भाषा विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र

ख) स्वन परिवर्तन की दिशाएँ

ग) मध्यकालीन आर्य भाषाओं की विशेषताएँ

घ) पदक्रम रचना के आधार पर

****

समय – 2:३० घंटे पूर्णांक - ७५

सुचना : १. सभी प्रश्न अनिवार्य है |

२. सभी प्रश्नों के लिए अंक समान है |

३) उत्तर पुस्तिका में प्रश्न क्रमांक और उपक्रमांक अवश्य लिखे |

प्रश्न -१. निम्न लिखित अवतरणों में से किन्ही दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए | ३०

क) जोगी कहइ सुणि मोरी माइ |
दिन तीजे आवइ घरि राइ |
हमही देहि बघामणी |
दीधा मोती अरथ भंडार |
दीधा हीरा पाथरी |
काल्हि आवइ राजा एतीय बार ||

(ख) चलन चलन सबको कहत है ,
नाँ जानौ बैकुंठ कहाँ है |
जौजन एक प्रमिति नही जान,
बातनि ही बैकुंठ बखानै ||
जब लग है बैकुंठ की आसा,
तब लग नहिं हरिचरन निवासा ||
कहें - सुनें कैसे पँतिअइये,
जब लग तहाँ आप नहीं जइये ||
कहैं कबीर यहु कहिये काहि,
साधो संगति बैकुंठहि आहि ||

(ग) फरे आँब अति सघन सोहाए | औ जस फरे अधिक सिर नाए |

कटहर डार पीड़ सन पाक | बड़हर, सो अनूप अति ताके ||

खिरनी पाकि खांड अस मीठी | जामुन पाकि भँवर अति डीठी ||

नरियर फरे फ़री फरहरी | फुरै जानु इंद्रासन पुरी ||

पुनि महुआ चुअ अधिक मिठासू | मधु जस मीठ पुहुप जस बासू ||

और खजहजा अनबन नाऊँ | देखा सब राउन अमराउँ ||

लाग सबै जस अमृत साखा | रहै लोभाइ सो जो चाखा ||

लँवग सुपारी जायफल सब फर फरे अपूर |

आसपास घन इमिली औ घन तार खजूर ||

प्रश्न -२. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए | **३०**

(त) 'बीसलदेव रासो' के रचना काल के सम्बन्ध में विद्वानों के क्या विचार हैं?

(थ) कबीर के भाषायी सौंदर्य का समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिए।

(द) 'पद्मावत' मानव मन की विविधताओं से युक्त महाकाव्य है स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न -३. निम्नलिखित टिप्पणियाँ लिखिए | **१५**

(च) 'बीसलदेव रासो' का काव्य सौन्दर्य |

(छ) कबीर की उलटबांसियाँ |

(ज) प्रेम की पीर के कवि जायसी |

****

समय – 2:३० घंटे पूर्णांक - ७५

सुचना : १. सभी प्रश्न अनिवार्य है |
२. सभी प्रश्नों के लिए अंक समान है |

प्रश्न-१. रस की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए। १५

अथवा

रीति की अवधारणा स्पष्ट कीजिए। रीति विषयक विभिन्न आचार्यों द्वारा दीए गये मतों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न -२. आचार्य रामचंद्र शुक्लजी द्वारा लोक मंगल की साधना के प्रतिमानों का विवरण प्रस्तुत कीजिए। १५

अथवा

आचार्य नंददुलारे वाजपेयी के समसामयिक दृष्टिकोण का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्रश्न -३. कार्लमार्क्स की अवधारणा स्पष्ट करते हुए, उसके सिद्धांतो पर विस्तृत चर्चा कीजिए। १५

अथवा

स्वछंदतावाद की विकासयात्रा के साथ विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्रश्न -४. प्लेटो की काव्य-सम्बन्धी अवधारणा का परिचय दीजिए। १५

अथवा

अरस्तू के अनुकरण सिद्धान्त का त्रासदी व विरेचन सिद्धांत में क्या भूमिका है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न -५ निम्नलिखित में से किन्ही तीन विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। १५

(क) हिंदी में अलंकारों के वर्गीकरण
(ख) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के इतिहास चेतना संबंधी विचार
(ग) अभिजात्य वाद का अर्थ, स्वरूप
(घ) लोंजाइनस की उदात्त संबंधी मान्यता

****

19BF6FB65D88DE691D676286756B7443

समय – 2:३० घंटे

पूर्णांक - ७५

सुचना : १. सभी प्रश्न अनिवार्य है |
२. सभी प्रश्नों के लिए अंक समान है |

प्रश्न - १. साहित्येतिहास को स्पष्ट करते हुए साहित्य के इतिहास दर्शन पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा को रेखांकित करते हुए उसके पुनर्लेखन की प्रमुख समस्यायें बताइए।

प्रश्न -२. भक्ति कालीन परिवेश की विस्तार से चर्चा कीजिए। 15

अथवा

आचार्य रामचंद्रशुक्ल और आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा दिए गए भक्तिकाल के उद्भव और विकास के संबंध में प्रस्तुत विचारों को सविस्तार लीखिए।

प्रश्न -३ संत शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए संत परम्परा का परिचय दीजिए। 15

अथवा

कृष्ण भक्ति काव्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न -४ रीतिकाल के नामकरण को स्पष्ट करते हुए शास्त्रीय विवेचन पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

रीति सिद्धकाव्य-धारा की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालें।

प्रश्न -५ निम्नलिखित में से किन्ही तीन विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए | 15

(क) सिद्ध साहित्य
(ख) सूफी सम्प्रदाय
(ग) रामभक्ति काव्य धारा
(घ) रीति मुक्त काव्य की विशेषताएँ

****